

प्रेषक,

अर्जुन सिंह

संयुक्त सचिव,

उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

✓ समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी,

उत्तरांचल ।

चिकित्सा अनुभाग-३

देहरादून: दिनांक: २८ फरवरी, २००२

विषय:- राजकीय चिकित्सालयों में ताज-सज्जा एवं उपकरणों की व्यवस्था के संबंध में ।

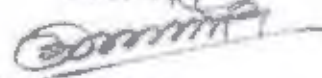
महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य चिकित्साधिकारी हरिद्वार के पत्र सं०-बी८३/चिकित्सा-२००१-०२/१४२५ दिनांक १८-२-२००२ के त्रुटि में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश सं०-१६२/चि०-३-२००१-६८/२००१ दिनांक ३१-१-०२ के प्रस्तर "६" को निम्नानुसार पढ़ा जाए:-

§ ६§ इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष २००१-०२ के आय व्यय के अनुदान सं०-१२ के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में सेवाधीन २२१०-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य ०१- शहरी स्वास्थ्य सेवाएं-पारिवारिक चिकित्सा पद्धति ११०-अस्पताल तथा औषधालय १२-राजकीय चिकित्सालयों में ताज सज्जा एवं उपकरण की व्यवस्था २६ मशीनें और सज्जा/उपकरणों और संयंत्र ४२-अन्य व्यय के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नामों डाला जाएगा।

§ २§ शासनादेश संख्या-१६२/चि०-३-२००१-६८/२००१ इस सीमा तक संगोपित समझा जाए।

भवदीय



अर्जुन सिंह
संयुक्त सचिव

सं०:-१८/चि०-३-२००२-६८-२००१ तद्विनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं जावदख्त कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

१-महालेखाकार, उत्तरांचल, इलाहाबाद।

२-महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तरांचल।

३-समस्त क्षेत्रीय कोषाधिकारी, उत्तरांचल।

४-निदेशक, कोषागार, देहरादून।

५-वित्त अनुभाग -२

६-गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,

अर्जुन सिंह
संयुक्त सचिव